भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 11
उत्तर देने की तारीख 21.07.2025

कलाकारों के लिए आईपी शिक्षा प्रकोष्ठों की स्थापना

11. **श्री सुरेश कुमार कश्यप :**
श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाह :
श्री आलोक शर्मा :
श्री राजेशभाई नारणभाई चुडासमा :
श्री जनार्दन मिश्रा :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कलाकारों के लिए बौद्धिक संपदा (आईपी) शिक्षा प्रकोष्ठों की स्थापना से भारत की सुसंस्कृत अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और जमीनी स्तर के कलाकार सशक्त होंगे;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इन बौद्धिक संपदा शिक्षा प्रकोष्ठों से कितने कलाकारों के लाभान्वित होने की संभावना है;

(घ) कार्यान्वित की जाने वाली बौद्धिक संपदा शिक्षा प्रकोष्ठ परियोजनाओं की संख्या कितनी है; और

(ड.) इस योजना के अंतर्गत भोपाल जिले सहित मध्य प्रदेश के लाभार्थियों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): जी, हां।

(ख): संस्कृति मंत्रालय भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संबंध में बौद्धिक संपदा (आईपी) जागरूकता और संरक्षण को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से कार्यरत है। इस उद्देश्य से, मंत्रालय अपनी अकादमियों, केंद्रों और घटक इकाइयों में समर्पित बौद्धिक संपदा प्रकोष्ठ स्थापित करने की योजना बना रहा है ताकि कलाकारों को बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे

में शिक्षित किया जा सके, बौद्धिक संपदा पंजीकरण को सुगम बनाया जा सके और संगीत वाद्ययंत्रों जैसे पारंपरिक उत्पादों के भौगोलिक संकेत (जीआई) पंजीकरण में सहायता प्रदान की जा सके। मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के परिरक्षण और संवर्धन के अपने व्यापक अधिदेश के भाग के रूप में, मंत्रालय सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों से जुड़ी बौद्धिक संपदा की पहचान करने और उसकी संरक्षा पर बल देता है।

मंत्रालय सांस्कृतिक क्षेत्र की बौद्धिक संपदा पहलों को सुदृढ़ करने के लिए उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के अंतर्गत आईपीआर संवर्धन तथा प्रबंधन प्रकोष्ठ (सीआईपीएएम) जैसे निकायों के साथ भी सहयोग करता है। सांस्कृतिक पहचान के साथ पारंपरिक ज्ञान (टी के) और भौगोलिक संकेतों (जी आई) के घनिष्ठ संबंध को देखते हुए, उनकी संरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

संगीत नाटक अकादमी (एसएनए) मंत्रालय के अंतर्गत बौद्धिक संपदा अधिकारों के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करती है, जो यह सुनिश्चित करती है कि कलाकारों की सहमति कार्यक्रमों और कार्यकलापों में भाग लेने से पहले ली जाए। देश भर में अपने विभिन्न केंद्रों के माध्यम से, संगीत नाटक अकादमी (एसएनए) जमीनी स्तर के कलाकारों को प्रशिक्षण और प्रस्तुतीकरण के अवसर भी प्रदान करती है, जिससे भारत की सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान मिलता है।

(ग) से (ड.): लाभार्थियों की संख्या और विवरण इस वित्तीय वर्ष के अंत तक उपलब्ध हो सकेगा।

*****